Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 11

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Lit. (D & D)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा, 2018

हिन्दी साहित्य

समय : 4¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – 'अ'

हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

1) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[4 × 4 = 16]**

i) छायावादी काव्य के चार प्रसिद्ध रचनाकारों के नाम लिखिए। किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखिए।

ii) 'प्रगतिवादी काव्य' किसे कहा गया है?

iii) प्रयोगवादी किन्हीं चार कवियों का नाम लिखिए।

iv) जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटकों के नाम लिखिए।

v) नई कविता के प्रमुख चार कवियों के नाम लिखिए। नई कविता का प्रारंभ वर्ष लिखिए।

vi) छायावादोत्तर हिन्दी नाटक कारों के नाम लिखते हुए एक–एक नाटक का नाम लिखिए।

खण्ड – 'ब'

काव्यांग परिचय

2) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों का उचित उत्तर छाँटकर लिखिए। **[2 × 1 = 2]**

i) 'शब्दार्थोसहितौकाव्यम्'' काव्य की परिभाषा करने वाले हैं–

(अ) भामह

(ब) आ. मम्मट

(स) पं. जगन्नाथ

(द) आ. विश्वनाथ

ii) बिनु पद चलै सुनै बिनुकाना काव्य पंक्ति में अलंकार है –

(अ) रूपक

(ब) उपमा

(स) श्लेष

(द) विभावना

3) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [2 × 3 = 6]

i) छन्द कितने प्रकार के होते है? नाम लिखिए।

ii) छन्द में यति और गति से क्या तात्पर्य है? लिखिए।

iii) 'वंशस्थ' छन्द के प्रत्येक चरण में कितने वर्ण होते हैं? समझाइए।

4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [2 × 4 = 8]

i) अलंकार शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए अलंकार का काव्य में महत्त्व लिखिए।

ii) अलंकार के कितने भेद हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

खण्ड – 'स'

पाठ्य पुस्तक सरयू

5) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [4 × 2 = 8]

मूरिष संग न कीजिए, लोहा जल न तिराइ।

कदली सीप भुवंग मुख, एक बूँद तिहूँ भाइ।।

i) उपर्युक्त पद में क्या संदेश दिया गया है?

ii) किसकी संगति नहीं करनी चाहिए?

iii) 'कदली' एवं 'भुवंग' का अर्थ लिखिए।

iv) 'लोहा जल न तिराइ' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

6) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [4 × 2 = 8]

आँख किसी प्यासे पथिक की भाँति बचपन के उन क्रीडा–स्थलों को देखने के लिए व्याकुल हो रही थी; पर उस परिचित नाम के सिवा वहाँ और कुछ परिचित न था। जहाँ खण्डहर था, वहाँ पक्के मकान खड़े थे। जहाँ बरगद का पुराना पेड़ था, वहाँ अब सुन्दर बगीचा था। स्थान की काया पलट हो गई थी। अगर उसके नाम और स्थिति का ज्ञान न होता, तो मैं इसे पहचान भी न सकता। बचपन की संचित और अमर स्मृतियाँ

बाँह खोले अपने उन पुराने मित्रों से गले मिलने को अधीर हो रही थी मगर वह दुनिया बदल गई थी। ऐसा जी होता था कि उस धरती से लिपटकर रोंऊँ और कहूँ, तुम मुझे भूल गई। मैं तो अब भी तुम्हारा वही रूप देखना चाहता हूँ।

i) लेखक की आँखे क्या देखने के लिए व्याकुल थी?

ii) लेखक के अनुसार वहाँ क्या–क्या बदल गया था?

iii) लेखक ने उस स्थान को कैसे पहचाना?

iv) लेखक की संचित और अमर स्मृतियाँ क्यों अधीर हो रही थी?

7) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[4 × 1½ = 6]**

बुद्धि के दुर्ग पहूँचा विद्युत गति हटचेतन

राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन।

'यह है उपाय' कह उठे राम ज्यों मन्द्रित धन

'कहती थी' माता, मुझको सदा राजीव नयन

दो नील कमल है शेष अभी, यह पुरश्चरण

पूरा करता हूँ देकर मात एक नयन

i) राम की माता राम को क्या कहकर पुकारती थी?

ii) राम शक्ति पूजा हेतु कौन से पुष्प चढ़ाने हेतु तत्पर हुए?

iii) राम के मन में कौन सी स्मृति जगी?

iv) 'पुरश्चरण' शब्द का अर्थ लिखिए।

अथवा

यह धरती कितना देती है, धरती माता

कितना देती है अपने प्यारे पुत्रों को!

नहीं समझ पाया था मैं उसके महत्त्व को,

बचपन में निज स्वार्थ लोभवश पैसे बोकर।

रत्न–प्रसविनी है वसुधा अब समझ सका हूँ।

इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं।

इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं।

इसमें मानवता ममता के दाने बोने हैं।

जिससे उगल सके फिर धूलि सुनहरी फसलें।

i) कवि धरती माता के महत्त्व को कब नहीं समझ पाया था?

ii) धरती में कैसे बीज बोने चाहिए?

iii) धरती माता कैसी है?

iv) सुनहरी फसलें कब उगती हैं?

8) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[4 × 1½ = 6]**

भक्ति–आन्दोलन और तुलसी–काव्य का अन्यतम सामाजिक महत्त्व यह है कि इसमें देश की कोटि–कोटि जनता की व्यथा, प्रतिरोध भावना और सुखी जीवन की आकांक्षा व्यक्त हुई है। भारत के नए जागरण का कोई महान कवि भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास से पराङ्मुख नहीं रह सकता। वह सांस्कृतिक धारा रवीन्द्रनाथ और निराला के साहित्य में अविच्छिन्न रुप से प्रवाहित है। इस तथ्य की पुष्टि के लिए यहाँ रवीन्द्रनाथ की ''सूरदासेर प्रार्थना'' और निराला की तुलसीदास कविताओं का उल्लेख करना ही यथेष्ट होगा।

i) भक्ति आन्दोलन एवं तुलसी काव्य की क्या विशेषता है?

ii) सुखी जीवन की आकांक्षा किसमें व्यक्त हुई हैं?

iii) रवीन्द्रनाथ एवं निराला की क्या विशेषता हैं?

iv) सूरदासेर कविता किस तथ्य की पुष्टि करती हैं?

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

देवत्व की इतनी उपेक्षा। मानव नश्वर हैं, यह मर जाए और उसकी अस्थियों पर कीड़े रेंगे, यह समझ में आता है लेकिन देवता पत्थर जड़ है, उसका महत्त्व कुछ नहीं। मूर्ति तो देवता कि है; देवत्व चिरन्तनता की निशानी तो है, एक भावना भी है। भावना आदरणीय है। क्या यह मूर्ति यहीं पड़े रहने काबिल है? इन कीड़ों के लिए जिनके पास श्रद्धा को दिल नहीं, पूजने को हाथ नहीं, देखने को आँख नहीं, छूने को त्वचा नहीं, टटोलने को ये हिलती हुई गन्दी मूँछे है ..... यह मूर्ति कहीं ठिकाने से होती।

i) देवता व मनुष्य में क्या अन्तर है?

ii) कीड़ों के पास क्या नहीं थे?

iii) एक भावना क्या है?

iv) वहाँ किसकी मूर्ति थी?

9) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[2 × 2 = 4]**

i) हमारे प्राचीन ग्रन्थों में किस बात का वर्णन है?

ii) 'पाजेब' बाल – मनोविज्ञान पर आधारित रोचक कहानी हैं। स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – 'द'

पाठ्य पुस्तक मंदाकिनी

10) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[4 × 3 = 12]**

i) रेखाचित्र एवं संस्मरण में क्या अन्तर है?

ii) भारतीय साहित्य में कहानी का उद्‌भव कहाँ से माना जाता है? इसके विविध कालों का नाम लिखिए।

iii) सुभाषचन्द्र ने सैनिकों के लिए कौनसे तीन आदर्श बताये?

iv) बड़े बेटे राजन के पास जाने को लेकर पड़ोसियों ने क्या कहा?

v) लेखिका 'महादेवी वर्मा' ने सुभद्रा के व्यक्तित्त्व को किस रूप में प्रस्तुत किया है?

vi) 'भोर का तारा' कैसी एकांकी है? इसका कथानक किससे सम्बन्धित है?

11) सुभाषचन्द्र बोस का परिचय लिखिए। **[4]**

अथवा

भारतीय आर्य जाति की विश्व को क्या देन है लिखिए।

DO NOT WRITE ANYTHING HERE